



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 178] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 18, 1992/भाद्र 27, 1914

No. 178] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 18, 1992/BHADRA 27, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 49 (पीएन)/92--97

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1992

फा.सं. आईपीसी/4/5(285)/92--97 :—निर्यात-आयात नीति 1992-97  
के पैराग्राफ 16 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात  
एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक 1992--97 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

(1) अध्याय-5 में, पैराग्राफ 78 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा :—

“महासागरों में चलने वाले पोतों और महासागरों में चलने वाले अन्य जलयानों का  
क्रियात बिना लाइसेंस के भूतल परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन पर”

घनके द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के आधार पर किया जा सकता है। महा-सागर में चलने वाले ट्राबलरों का आयात खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा अनु-मोदन अथवा उनके द्वारा जारी दिशा निर्देशों के आधार पर बिना लाइसेंस के किया जा सकता है। तोड़ने के लिए पुराने पोट, जलयानों आदि का आयात लाइसेंस के बिना किया जा सकता है।

(2) अध्याय-5 में, पैराग्राफ -79 के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा :—

“तटीय पोतों, बोटों और अन्य तटीय जल परिवहन यानों के आयात के लिए आवेदन-पत्र परिशिष्ट-3 में दिये गये फार्म में भूतल परिवहन मंत्रालय के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को भेजे जा सकते हैं। तटीय समुद्र में चलने वाले ट्राबलरों के आयात के लिये आवेदन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के माध्यम से परिशिष्ट-7 में दिये गये फार्म में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को भेजे जा सकते हैं।”

2. वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 23 (पीएन)/92—97 दिनांक 30 जून, 1992 द्वारा अन्तः स्थापित प्रक्रिया पुस्तक, 1992—97 के पैराग्राफ 96(12) में निहित उपबन्ध की ओर ध्यान दिया जाता है। पूर्वोक्त प्रावधान के अनुसार प्रोटोटाइप और नमूनों का आयात जो कि एक वर्ष में संख्या में 5 से अधिक न हो सीमाशुल्क प्राधिकारियों को उनकी संतुष्टी के अनुसार स्वीकृति देने पर उन वास्तविक प्रयोक्ताओं (औद्योगिक) अथवा भान्यताप्राप्त अनुसंधान तथा विकास संस्थानों द्वारा बिना लाइसेंस के किया जा सकता है जो उस मद के उत्पादन अथवा अनुसंधान में पढ़ने से लगे हुए हों जिस के उत्पाद विकास अथवा अनुसंधान के लिए प्रोटोटाइप/नमूने की आवश्यकता हो, बशर्त कि आयात में विदेशी मुद्रा का प्रयोग न करना पड़े। उपर्युक्त उप पैरा के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा :—

“वास्तविक प्रयोग कर्त्तव्यों (औद्योगिक) अथवा अनुसंधान और विकास संस्थानों द्वारा भी ऊपर उल्लिखित शर्तों के अनुसार भुगतान किये जाने के बाद प्रोटोटाइप/नमूनों का आयात किया जा सकता है।”

3. यह लाकहित में जारी किया गया है।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 49(PN)/92—97

New Delhi, the 18th September, 1992

F. No. IPC/4/5(285)/92—97.—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export and Import Policy, 1992—97, the Chief Controller

**of Imports and Exports hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, 1992—97 :—**

**(1) In Chapter V, paragraph 78 shall be replaced by the following :—**

**“Import of ocean going ships and other ocean going vessels may be made without a licence on the basis of the approval or guidelines issued by Ministry of Surface Transport, Government of India. Import of ocean going trawlers may be made without a licence on the basis of the approval or guidelines issued by the Ministry of Food Processing Industries. Import of old ships, vessels etc. for the purpose of breaking may be made without a licence.”**

**(2) In Chapter V, paragraph 79 shall be replaced by the following :—**

**“Application for import of coastal ships, boats and other coastal water transport crafts may be made to the Chief Controller of Imports and Exports through the Ministry of Surface Transport in the form given in Appendix VII. Application for import of trawlers operating in the coastal waters may be made to the Chief Controller of Imports and Exports through the Ministry of Food Processing Industries in the form given in Appendix VII.”**

**2. Attention is invited to the provision contained in Paragraph 98(xii) of the Handbook of Procedures, 1992—97, inserted by Ministry of Commerce Public Notice No. 23-(PN)/92—97 dated the 30th June, 1992. In terms of the aforesaid provision import of prototypes and samples not exceeding five in number in a year may be made without a licence, provided the imports do not involve foreign exchange remittances, by Actual Users (Industrial) or recognised research and development institutions already engaged in the production of or research in the item for which prototypes/sample is sought for product development or research, as the case may be upon a self-declaration to that effect to the satisfaction of the Customs authorities. The following shall be added at the end of the abovementioned sub-paragraph :—**

**“Import of prototypes/samples may also be made on payment by Actual Users Industrial or research and development institutions as per the abovementioned terms and conditions.”**

**3. This issues in public interest.**

**D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports**

